हम नन्हे-नन्हे बच्चे हैं

(कविता)

11

हम नन्हे-नन्हे बच्चे हैं,
नादान उमर के कच्चे हैं,
पर अपनी *धुन* के सच्चे हैं।
जननी की जय-जय गाएँगे,
भारत की *ध्वजा* उड़ाएँगे।

अपना *पथ* कभी न छोड़ेंगे,
अपना *प्रण* कभी न तोड़ेंगे,
हिम्मत से *नाता* जोड़ेंगे,
हम *हिमगिरि* पर चढ़ जाएँगे,
भारत की ध्वजा उड़ाएँगे।

हम *भय* से कभी न डोलेंगे,
अपनी *ताकत* को तोलेंगे,
जननी की जय-जय बोलेंगे।
अपना सिर भेंट चढ़ाएँगे,
भारत की ध्वजा उड़ाएँगे।

–सोहनलाल द्विवेदी

शब्द-अर्थ

नादान — भोले-भाले *(simple)*, धुन — लगन *(devotion)*,
जननी — माँ, भारतमाता *(mother)*, ध्वजा — झंडा *(flag)*,
पथ — रास्ता *(way)*, प्रण — संकल्प, प्रतिज्ञा *(promise)*,
नाता — रिश्ता *(relation)*, हिमगिरि — हिमालय *(Himalaya)*,
भय — डर *(fear)*, ताकत — शक्ति *(strength)*।

कविता का भावार्थ – प्रस्तुत कविता में कवि सोहनलाल द्विवेदी ने कविता को एक सहगान के रूप में प्रस्तुत किया है, जिसे बच्चों में समूह गान कहते हैं। कवि कहते हैं हम नन्हे बच्चे अपनी भोली-भाली उमर में कच्चे और ना समझ हैं। लेकिन अपनी लगन के कर्त्तव्यशील हैं। भारत माँ का जयगान करके उनका झंडा सदा ऊँचा रखेंगे। अपना सत्य का अपनाया हुआ रास्ता कभी नहीं छोड़ेंगे। अपना संकल्प कभी नहीं तोड़ेंगे। अपने अंदर की हिम्मत को जगाकर हम हिमालय पर्वत पर चढ़कर भारत माँ के झंडे को फहराएँगे। हम अपने अंदर के डर से न तो कभी काँपेंगे न ही अपनी शक्ति को किसी से तुलना करेंगे। हम अपनी भारत माता की जय-जयकार करेंगे। समय अपने पर भारत माँ के ध्वजा को ऊँचा रखने के लिए अपना शीश तक कटा देंगे।

अभ्यास

मौखिक

1. इन शब्दों को पढ़कर सुनाइए–

ध्वजा	प्रण	हिम्मत	हिमगिरि	सच्चे
पथ	भय	ताकत	जननी	नादान

2. निम्नलिखित प्रश्नों के मौखिक उत्तर दीजिए–

(क) बच्चे किसके ध्वज को उड़ाने की बात कर रहे हैं?

(ख) कविता में किसकी जय बोलने की बात की जा रही है?

(ग) यह कविता किसने लिखी है?

(घ) बच्चों में कौन-कौन से गुण हैं?

लिखित

1. सही उत्तर पर (✓) का निशान लगाइए–

(क) हम बच्चे हैं–

☐ नटखट ☐ नन्हे-नन्हे ☐ समझदार

(ख) बच्चे उमर में कैसे होकर भी धुन के सच्चे है?

☐ कच्चे ☐ पक्के ☐ लापरवाह

(ग) अपना कभी न छोड़ेंगे–

☐ संघर्ष ☐ प्रण ☐ लड़ाई

(घ) भारत की उड़ाएँगे–

☐ ध्वजा ☐ हवा ☐ पतंग

2. निम्न पंक्तियों को पूरा कीजिए–

(क) नादान .... के कच्चे हैं।

(ख) .... की जय-जय गाएँगे।

(ग) हम .... पर चढ़ जाएँगे।

3. सही वाक्यों के सामने (✓) तथा गलत वाक्यों के सामने (✗) का निशान लगाइए–

(क) हम भय से कभी न डोलेंगे। ☐

(ख) हम भारत की ध्वजा उड़ाएँगे। ☐

(ग) हम संघर्ष की लड़ाई लड़ेंगे। ☐

(घ) हम अपने देश के लिए मर मिटेंगे। ☐

4. शब्दों को उनके अर्थ से मिलाइए–

शब्द	अर्थ
(क) नाता	(i) माँ
(ख) जननी	(ii) प्रतिज्ञा
(ग) प्रण	(iii) रिश्ता

5. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

(क) बच्चे अपनी धुन के कैसे हैं?

(ख) बच्चे क्या नहीं छोड़ेंगे?

(ग) बच्चे किससे नाता जोड़ने के लिए कह रहे हैं?

(घ) उम्र में छोटे होने पर भी ये बच्चे कैसे हैं?

(ङ) कविता की वे पंक्तियाँ लिखिए, जिनमें बच्चों ने हिमगिरि पर चढ़ जाने की बात की है।

भाषा-ज्ञान

1. समान तुकवाले शब्दों के जोड़े बनाइए–

बच्चे	रथ	छोड़ेंगे	भाता
धुन	भय	डोलेंगे	तोड़ेंगे
जय	कच्चे	सिर	तोलेंगे
पथ	सुन	नाता	फिर

2. पर्यायवाची शब्द जानिए और लिखिए—

संकल्प मार्ग झंडा	बल	रास्ता	पताका	शक्ति	प्रतिज्ञा

(क) पथ — ……………, …………… (ख) प्रण — ……………, ……………

(ग) ध्वजा — ……………, …………… (घ) ताकत — ……………, ……………

क्रियात्मक गतिविधि

- आप अपने देश को महान बनाने के लिए क्या कर सकते हैं? कक्षा में बताइए।
- कविता को याद कीजिए और समूह-गान के रूप में गाइए।
- 'मेरा देश महान'— इस विषय पर दस वाक्य लिखिए।
- पुरानी पत्र-पत्रिकाओं अथवा समाचार-पत्रों से देश संबंधी चित्र काटकर सुंदर चित्र तैयार कीजिए।
- पंक्तियों को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए—

अपना पथ कभी न छोड़ेंगे,
अपना प्रण कभी न तोड़ेंगे,
हिम्मत से नाता जोड़ेंगे।
हम हिमगिरि पर चढ़ जाएँगे,
भारत की ध्वजा उड़ाएँगे।

(क) बच्चे क्या न तोड़ने की बात कह रहे हैं?

……………………………………………………

(ख) बच्चे किस पर चढ़ने की बात कर रहे हैं?

……………………………………………………

(ग) हिमगिरि का क्या अर्थ है?

……………………………………………………

- हमारा राष्ट्रीय ध्वज के रंगों की विशेषता बताते हुए उस पर सात पंक्तियाँ भी लिखिए।

……………………………………………………

……………………………………………………

……………………………………………………

……………………………………………………

……………………………………………………

……………………………………………………